पहल

उन गांवों को होगा फायदा जहां पर अभी तक नहीं पहुंच सका है करंट

गांवों में लगेंगे सोलर प्लांट, रोशन होंगे घर

अमर उजाला ब्यूरो

सीतापुर। जिले के जिन घरों में अब तक बिजली नहीं पहुंच सकी है। उन घरों के बाशिंदों के लिए खुशखबरी है। अब वह भी बिजली के रोशनी का लुत्फ उठा सकेंगे। इनके घर सौर ऊर्जा से जगमगाएंगे। इसकी बीड़ा ऊर्जा डवलपमेंट साल्यूशन उठाएगी। यह संस्था छोटे चौराहे से लेकर गांवों का सर्वे करेगी। इसको लेकर सोमवार को टीम ने डीएम से मुलाकात की। डीएम ने सीडीओ को संस्था को सभी जानकारी मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं।

जिले में करीब सात हजार ऐसे गांव हैं जहां पर आजादी के बाद से अब तक बिजली नहीं पहुंच सकी है। इससे यहां के बाशिंदे ढिबरी की रोशनी में जीवनयापन कर रहे हैं। ये लोग कई बार बिजली पाने के लिए फरियाद कर चुके हैं लेकिन पावर कॉर्पोरेशन के प्रयास के बाद भी लड़ाई अंजाम तक नहीं पहुंच सकी है। अब इन गांवों के बाशिंदे भी बिजली का फायदा उठा सकेंगे। ऊर्जा डवलपमेंट साल्यूशन हर घर तक बिजली पहुंचाएगी। इसको लेकर टीम ने सोमवार को डीएम डॉ. सारिका मोहन से मुलाकात कर अपनी योजना की जानकारी बताई। जिस पर डीएम ने सीडीओ को संस्था को जानकारी मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं। इस योजना के तहत एक माह में संस्था छोटे चौराहे से लेकर गांवों तक का सर्वे करेगी। जरूरतमंदों से उनकी बिजली की डिमांड पता करेगी। फिर अपने रेट बताते हुए उनको बिजली मुहैया कराएगी। यह बिजली उनको इलेक्ट्रिक लाइन से बहुत ही सस्ती मिलेगी। इसका फायदा उन लोगों को होगा जो अब तक मोबाइल के चार्ज करने के लिए दूरदराज के गांवों तक जाते हैं। वहीं किसान सौर ऊर्जा से ट्यूबवेल भी चला सकेंगे। इसकी कवायद शुरू हो गई है। इस बाबत

ऊर्जा डवलपमेंट साल्यूशन ने डीएम से मुलाकात कर समझाया प्लान

सीतापुर में सोमवार को सोलर प्लांट को लेकर डीएम से वार्ता करते ऊर्जा कंपनी के लोग। अमर उजाला

सौर ऊर्जा से होते कई फायदे

सौर ऊर्जा का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि इससे एक तो प्रदूषण नहीं होता है। दूसरा बिजली आने जाने का कोई समय निर्धारित नहीं होता है। सौर ऊर्जा से मन मुताबिक उपयोग कर सकते हैं। इसके अलावा अगर बिजली खराब हो जाती है तो उसको दुरुस्त होने में काफी समय लगता है। लेकिन सौर ऊर्जा से सप्लाई होने पर कुछ ही क्षण में इसे सही करा दिया जाएगा।

इस्तेमाल पर क्या रहेगा रेट

संस्था का कहना है कि चार्ज यूज के हिसाब से तय किए गए हैं। जिसमें सबसे कम रेट 130 रुपये प्रतिमाह रखा गया है। इस रेट में बाशिंदों को एक एलईडी व मोबाइल चार्ज करने की आजादी मिलेगी। 160 रुपये में दो एलईडी व एक चार्जर की सुविधा रहेगी। इसके अलावा 350 रुपये में दो एलईडी, एक पंखा, टीवी व मोबाइल चार्ज की सुविधा होगी। यह उनको लगातार आठ घंटे सप्लाई मिलेगी।

80 रुपये प्रतिघंटे की दर से कर सकेंगे सिंचाई

इस समय किसान अगर नलकूप के सहारे जनरेटर से सिंचाई करते हैं तो उनको प्रति घंट 130 रुपये तक का खर्च आता है। अगर वह सौर ऊर्जा से सिंचाई करेंगे तो उनको प्रति घंट 80 रुपये ही खर्चा आएगा। इसके लिए आठ दस किसान एक साथ ग्रुप बना लेंगे। उनको सुविधा के लिए वहीं पर सौर ऊर्जा का प्लांट लगा दिया जाएगा।

खुद करेंगे रखवाली

कंपनी द्वारा जहां पर अपना प्लांट लगाया जाएगा। वहां पर एक तकनीकी कर्मचारी की नियुक्ति की जाएगी। यह कर्मचारी सौर ऊर्जा का रखरखाव करेगा। साथ ही अगर खराबी होती है तो उसे एक घंटे में ही सही करा दिया जाएगा। जिस घर पर सौर ऊर्जा लगेगी उस घर को मुफ्त में बिजली मिलेगी।

अब होगा सर्वे

डीएम को पूरे योजना के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने सीडीओ को पूरी जानकारी देने के लिए निर्देशित किया है। अब एक माह में सर्व कराया जाएगा। उसके बाद डिमांड के अनुस प्लांट लगाकर आपूर्ति दी जाएगी। -अमित सरोगी, सीईओ, ऊर्जा डवलपमेंट साल्यूशन

डीएम डॉ. सारिका मोहन ने बताया कि कंपनी के लोगों से सौर ऊर्जा प्लांट लगाने को लेकर वार्ता हुई है। जल्द ही गांव चिह्नित कराए जाएंगे। इसके प्रस्ताव तैयार कराया जाएगा।

सौर ऊर्जा से गांजर को चमकाने की योजना

● ऊर्जा डेमोक्रेटिजिंग एनर्जी के प्रतिनिधि मण्डल ने जिलाधिकारी से की वार्ता

संवाददाता। सीतापुर

सीतापुर-जिलाधिकारी डा. सारिका मोहन से ऊर्जा प्लांट के पदाधिकारी

जिले में अक्षय ऊर्जा श्रोत के जरिए गांजर इलाकों में रोशनी लाने के मकसद से गैर सरकारी संगठन ऊर्जा डेमोक्रेटिजिंग एनर्जी के 4 सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल ने जिलाधिकारी डॉ. सारिका मोहन से वार्ता कर प्रोजेक्ट की प्रजेन्टेशन दी। 4 सदस्यीय टीम में शामिल दिल्ली के अमित सरावगी, फ्रंस की गैलेन्टाइन, जयपुर की मदालसा सिंह तथा गोरखपुर के पुष्पेन्द्र कुमार शामिल हैं। टीम के अमित कुमार ने 'पायनियर' को बताया कि हमारा उद्देश्य है कि गांजर इलाकों में बिजली की समस्या से लोगों को निजात मिले संस्था द्वारा 10 किलो वाट से 50 किलो वाट तक सौर ऊर्जा प्लान्ट निःशुल्क लगाया जाता है। जिस तरह उपभोक्ता बिजली का बिल भरते है उसी तरह उन्हे बिल भरना हमारी संस्था उन्हे सस्ती दरों पर बिजली उपलब्ध कराती है। साथ ही खेतों में पम्प सेट, मोबाइल चार्जिंग, एलईडी लाइट की सुविधा भी देती है। प्राय: यह देखा गया है कि गांजर के क्षेत्रों में बिजली बिल के साथ जनरेटर व इन्वर्टर का अतिरिक्त व्यय करना पड़ता है जबकि सौर ऊर्जा का व्यय इससे कम है। टीम द्वारा बिसवां के मानपुर बन्नी खरेला में विजिट की गई है आज मुख्य विकास अधिकारी से वार्ता कर बिजली की किल्लत से जूझ रहे क्षेत्रों का चयन कर ज्यादा से ज्यादा लोगो को फायदा पहुंचाने की रणनीति तैयार की जाएगी। साथ ही जिलाधिकारी द्वारा भी संस्था की सराहना की गई। सस्था द्वारा बहराइच जिले के सरवरपारा में प्रोजेक्ट पर काम पूरा किया जा चुका है।

जिले में 'ऊर्जा' फैलाएगी घरों में उजाला

फ्रांस से आई इंजीनियर ने व उनके सहयोगियों ने डीएम से की मुलाकात, सर्वे कर लगाएगी सौर ऊर्जा

भास्कर समाचार सेवा

सीतापुर। जिले के उन ग्रामीण क्षेत्रों के लिए खुशखबरी है जहां पर बिजली आज भी लोग बिजली को देखने के लिए तरसते हैं। यही नहीं घरों में तो बिजली पहुंचेगी ही साथ ही फसलों को भी पंप सोलर से भरपूर पानी मिलेगा। जिससे खेत व खलिहान भी हरियाली से लहलहाएंगे। जी हां यह कोई गप्प नहीं बल्कि वह हकीकत है जिसे पूरा करने के लिए फ्रांस से चलकर इंजीनियर सीतापुर आये हैं। ऊर्जी कंपनी की एक टीम

सोमवार को इसी सिलसिले में डीएम से मिली और उन्हें पूरी बात समझाई। जिस पर डीएम ने उन्हें कार्य करने का आश्वासन देते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया।

ऊर्जा कंपनी के डायरेक्टर अमित सराउगी तथा फ्रांस की इंजीनियर क्लेमन टाइम समेत कई अधिकारी सोमवार को डीएम डा. सारिका मोहन से मिले। डायरेक्टर तथा इंजीनियर ने उन्हें बताया कि वह जिले में ऐसे स्थानों पर अपना प्लांट लगाएंगे जहां पर बिजली नहीं पहुंच रही है। चाहे वह गांव हो, खेत-खलिहान हो अथवा बैंक, सीएचसी या फिर स्कूल हो। वह अपने प्लांट लगवाने का पैसा भी किसी से नहीं लेंगे। जब बिजली घरों में जलने लगेगी तब बिल के अनुसार पैसा लिया जाएगा। यही नहीं कई किसानों के खेतों के बीच बोरिंग कर उन्हें सोनल पंप के जरिए पानी दिया जाएगा। इसका फायदा किसानों को यह मिलेगा कि आज डेढ़ सौ रुपया प्रति घंटा के हिसाब से किसान सिंचाई का किराया देता है। मगर हमारे पंप के जरिए उसका आधा किराया ही पड़ेगा। यही नहीं जिस किसान के जमीन पर प्लांट लगेगा उसे सिंचाई से दस प्रतिशत अतिरिक्त भी दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि उनका एक प्लांट प्रदेश के बहराइच जिले के ग्राम सरवनतारा गांव में लगा हुआ है। जहां पर किसानों के घरों में बिजली भी जल रही है तथा खेतों में भरपूर पानी भी मिल रहा है।